भारत और इज़रायल संबंध

प्रलिमि्स के लयि:

इज़रायल और इसके पड़ोसी देश।

मेन्स के लयि:

भारत और इज़रायल संबंध, संबंधति मुद्दे और आगे की राह।

चर्चा में क्यों?

भारत-इज़रायल राजनयकि संबंधों की 30वीं वर्षगाँठ को आकार**देने के लयि भारत और इज़रायल द्वारा एक स्मारक लोगो (commemorative logo) का शुभारंभ कयिा गया है।**

- इस लोगो में **डेवडि का सतिारा और अशोक चक्र**- दो प्रतीक हैं जो दोनों देशों के राष्ट्रीय ध्वज में प्रदर्शति होते हैं और द्वपिक्षीय संबंधों की 30वीं वर्षगाँठ को दर्शाते हुए 30 का अंक बनाते है।

//

प्रमुख बदिु

- **राजनयकि गठबंधन:**
  - हालाँकि भारत ने वर्ष 1950 में इज़रायल को आधकिारकि रूप से मान्यता दे दी थी, लेकनि दोनों देशों द्वार**29 जनवरी, 1992 को ही पूर्ण राजनयकि संबंध** स्थापति कयिा गया। भारत दसिंबर 2020 तक इज़रायल के साथ राजनयकि संबंध रखने वाले 164संयुक्त राष्ट्र (UN) सदस्य राज्यों में से एक था।
- **आर्थकि और वाणज्यिकि संबंध:**
  - दोनों देशों के बीच द्वपिक्षीय व्यापार वर्ष 1992 के 200 मलियिन अमेरकिी डॉलर से बढ़कर अप्रैल 2020-फरवरी 2021 की अवधि के दौरान 4.14 बलियिन अमेरकिी डॉलर (रक्षा को छोड़कर) तक पहुँच गया था, जसिमें व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में था।
    - हीरे का व्यापार इस द्वपिक्षीय व्यापार का लगभग 50% है।
  - भारत, एशयिा में इज़रायल का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और वशि्व स्तर पर सातवाँ सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।
    - इज़रायल की कंपनयिों ने भारत में ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, दूरसंचार, रयिल एस्टेट और जल प्रौद्योगकियिों में नविश कयिा है

तथा भारत में अनुसंधान एवं वकिास केंद्र या उत्पादन इकाइयाँ स्थापति करने पर ध्यान केंद्रति कर रही हैं।

- भारत एक **मुक्त व्यापार समझौते** (FTA) के समापन हेतु भी इज़रायल के साथ वार्ता कर रहा है।

- **रक्षा**
  - भारत, इज़रायल के सैन्य उपकरणों का सबसे बड़ा खरीदार है, वहीं इज़रायल रूस के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तकिर्त्ता है।
  - भारतीय सशस्त्र बलों ने पछिले कुछ वर्षों में इज़रायली हथयिार प्रणालयिों की एक वस्तिृत शृंखला को अपने बेड़े में शामलि कयिा है, जसिमें फाल्कन 'AWACS' (एयरबोर्न वार्नगि एंड कंट्रोल सस्टिम्स) और हेरॉन, सर्चर-II व हारोप ड्रोन, बराक एंटी-मसिाइल डफिेंस सस्टिम एवं स्पाइडर क्वकि-रएिक्शन एंटी-एयरक्राफ्ट मसिाइल प्रणाली शामलि हैं।
  - इस अधग्रिहण में कई इज़रायली मसिाइलें और सटीक-नर्दिेशति युद्ध सामग्री भी शामलि है, जसिमें पायथन और डर्बी हवा-से-हवा में मार करने वाली मसिाइलों से लेकर क्रस्टिल मेज़ (Crystal Maze) और स्पाइस-2000 बम (Spice-2000 Bombs) शामलि हैं।
  - **भारत और इज़रायल के बीच द्वपिक्षीय रक्षा सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह (JWG)** की 15वीं बैठक में सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के लयि एक व्यापक दस वर्षीय रोडमैप तैयार करने हेतु टास्क फोर्स बनाने पर सहमत व्यिक्त की गई।
- **कृषि में सहयोग:**
  - मई 2021 में कृषि वकिास में सहयोग के लयि "तीन वर्ष के कार्य समझौते" पर हस्ताक्षर कयि गए थे।
  - कार्यक्रम का उद्देश्य मौजूदा उत्कृष्टता केंद्रों को वकिसति करना, नए केंद्र स्थापति करना, सीओई की मूल्य शृंखला को बढ़ाना, उत्कृष्टता केंद्रों को आत्मनर्भिर मोड में लाना और नजिी क्षेत्र की कंपनयिों व सहयोग को प्रोत्साहति करना है।
- **वज्ञिान प्रौद्योगकिी:**
  - हाल ही में भारत और इज़रायल के वशिेषज्ञों ने अपनी 8वीं शासी नकिाय की बैठक में भारत-इज़रायल औद्योगकि अनुसंधान एवं वकिास और तकनीकी नवाचार कोष (I4F) के दायरे को व्यापक बनाने पर वचिार-वमिर्श कयिा।
  - उन्होंने 5.5 मलियिन अमेरकिी डॉलर की 3 संयुक्त रसिर्च एंड डेवलपमेंट परयिोजनाओं को मंजूरी दी और एक व्यापक भारत-इज़रायल सहयोगी पारस्थितिकिी तंत्र बनाने के उपायों का सुझाव दयिा गया।
    - I4F 'प्रमुख क्षे त्रो' में चुनौतयिों का समाधान करने के लयि भारत और इज़रायल की कंपनयिों के बीच संयुक्त औद्योगकि अनुसंधान एवं वकिास परयिोजनाओं को बढ़ावा देने, सुवधिा प्रदान करने एवं समर्थन करने हेतु दोनों देशों के बीच एक सहयोग है।
- **अन्य:**
  - इज़रायल, भारत के नेतृत्व वाले **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)** में भी शामलि हो रहा है, जो दोनों देशों के अक्षय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने और स्वच्छ ऊर्जा में भागीदारी उद्देश्यों के साथ अच्छी तरह से संरेखति है।

आगे की राह

- दोनों देशों के बीच संबंधों में वर्ष 1992 से मुख्य रूप से साझा रणनीतिक हितों और सुरक्षा खतरों के कारण वृद्धि हुई है।
- भारत इज़रायल के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रुख रखता है और सरकार अपने राष्ट्रीय हित के आधार पर अपनी **पश्चिम एशिया नीति** को संतुलित एवं पुनर्गठित कर रही है।
- भारत और इज़रायल को अपने धार्मिक चरमपंथी पड़ोसियों की भेद्यता व जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, जनसंख्या विस्फोट तथा भोजन की कमी जैसे वैश्विक मुद्दों पर उत्पादक रूप से काम करने की आवश्यकता है।
- एक अधिक आक्रामक और सक्रिय मध्य पूर्वी नीति भारत के लिये समय की आवश्यकता है ताकि **अब्राहम समझौते** द्वारा धीरे-धीरे किये जा रहे भू-राजनीतिक पुनर्गठन का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-and-israel-relations